GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0257**

Classification:

Original File No. 38 B

Title

Volume:

Running **from year: 1944** **till year: 1946**

Content:

- Expences as Various Mission Field.
- Census in the Mission Fields.
- German Visitors report on G.E.L.Church in Chotanagpur & Assam.
- The file 38B contains nothing concerning National Christian Council.

LOWER BRAND

1944-46

FLAT FILE

FILE NO. 38 B.

E Correspondence with National

SUBJECT Christian Council (India, Burma & Ceylon)

L NOS. TO

1944 - 46

(1) Expences at various mission field
(2) census in the mission fields
(3) German visitors report on GEL Church in Cholanagpur & Assam

(4) The File 38 B contains nothing concerning National Christian Council

गोस्सनर मिश्न की क्यूराटोरियुम की ओर से चर्च कौंसिल के जरिये छोटानागपूर और अस्साम की गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान कलीशा के पास।

Berlin Friedenau.
19-9-46.

प्यारे भाई और यीशु खृष्ट की दाखबारी में संगी कर्म्मचारियो। बहुत दिन हो गये कि गोस्सनर मिश्न की क्यूराटोरियम आप लोगों के पास चरवाही पत्री नहीं लिख सकी। जबलों डाईरेक्टर Lic. J. Stosch हमारा प्रतिनिधि होके आप लोगों के पास रहते हैं और आप लोगों को सलाह दे सकते हैं चरवाही पत्री की इतनी जरुरत नहीं है तौभी हम आप लोगों के लिये यही चिट्ठी लिखने चाहते हैं। हमारी बीती चिट्ठी के पीछे बड़ी लड़ाई ने सारी पृथ्वी का रूप बदल दिया है, न केवल हिन्दूस्तान में पर बिशेष करके जर्मनी में भी हमारे जीवन की अवस्था बदल दी गई है। जर्मनी में सब कुछ उलटा पुलटा हो गया है जिसके साक्षी वे नगर हैं जो ढा दिये गये हैं, हाँ वे गिर्जा घर भी जो नाश कर दिये गये और लाखो लाख मनुष्य जो चाहे लढ़ाई में चाहे नजरबन्द की दशा में चाहे बैरियों के आगे भागते हुए मर गये हैं। हमारे स्वदेश में शायद एक घराना भी नहीं है जिस में बिलाप न हो। हमारे क्यूराटोरियुम का मिश्न बंगला आग से भस्म हो गया। हमारे स्वदेश के अनेक प्रान्त जर्मन राज्य से अलग कर दिये गये हैं जिनमें ऐसे भाई और बहिन रहते हैं जो आप लोगों के लिये प्रार्थना करते और चन्दा देते आये हैं। मिश्न काम के बहुतेरे मित्र लोग, पाद्री और साधारण भाइ बहिन अतिशय कंगाल हो गये हैं यहाँ लों कि उन के लिये घर भी नहीं है। हम लौकिक धन के बिषय बहुत कंगाळ हो गये हैं पर ईश्वर कंगाल लोगों को धनी कर सकता है। अभक्त सरकार के अत्याचार और लड़ाई के भयानक दिनों में ईश्वर ने हमों को एक बड़ा दान दिया। वह क्या है उसको अभी बताते हैं।

आप लोग जानते हैं कि पहले दिनों में अखिल जगतीय मिश्न संस्था में होम बोर्ड और मिश्न क्षेत्र कह के बोली जाती थी पर अब पुरानी और नयी कलीशायें कह के बोली जाती है और आप लोग भी अपने बिषय कहेंगे कि आप नई कलीशा हैं। अभी ऐसा हुआ कि खृष्ट बिरोधी सरकार के बिरूद्ध लड़ते लड़ते जर्मनी की पुरानी लूथेरान कलीशा में एक नई कलीशा उत्पन्न हुई जिसको स्वीकार करनेहारी कलीशा कहते हैं। जैसे पौधे में पुराने डालियों के सूख जाने से नई डालियों के कोंपल निकळ आते हैं वैसे ही पुरानी लुथेरान कलीशा से यह नई स्वीकार करनेहारी कलीशा निकल आई है जो कट्टर लूथेरान कलीशा है। इसी लूथेरान स्वीकार करनेहारी कलीशा को हिटलर की सरकार सताती थी। इस कलीशा के बहुत अंग, पाद्री और साधारण भाई भी नाज़ी लोगों के द्वारा जेळखानों में नजरबन्द करके पीड़ा दिये गये और मार डाले भी गये। गोस्सनर कलीशा भी स्वीकार करनेहारी कलीशा में है जिस के कारण वह भी सतायी गयी है, हां उसपर नाज़ी लोगों का बिशेष क्रोध पड़ा। १९३७ से लेके गोस्सनर मिश्न से छोटानागपुर और अस्साम की लूथेरान कलीशा के लिये जर्मनी से रुपैया भेजना नाज़ी सरकार से बन्द किया गया। मिश्न कागज छपखाना भी सरकार ने बन्द कर दिया। पाद्री H. Lokies अनेक बार

पोलिस के द्वारा गिरफ़्तार किया जाकर अनेक महिना जेल में था। आठ बर्ष लों सरकार से वह उपदेश देने से रोक दिया गया। क्यूराटोरियम के अन्य अंग लोग भी क्रूरता से सताये गये हैं, खृष्ट के कारण काम से अलग किये गये हैं। ईश्वर के अद्भुत सामर्थ से कितनों के प्राण बचाये गये। एक भाई जो सरकारी हाकिम था क्यूराटोरियम का अंग होके कानूनी बातों में उसे सम्मति देता था वह नाज़ी उपद्रवियों के हाथ पड़ा जिन्हों ने उसे गोली से मार डाला। इन अकथ्य तकलीफों के समयों में ईश्वर ने अपनी कलीशा को जगाया। जो नया ज्ञान और बिश्वास कलीशा को इस समय में मिला उस को कभी खो नहीं देंगे। हम लोग दुःख के समय धर्म्मपुस्तक को नये तौर से पढ़ना सीखे। हम लोग इस दुःख से सिखाये हुए ऐसे बातों पर बिशेष ध्यान देते हैं जिनको कलीशा प्रायः भूल गई थी अर्थात यह कि यही दुनिया हमारा स्वदेश नहीं है, हम यात्री हैं जिनको अवश्य दुःख उठाना पड़ता है। हम फिर सीखते हैं कि पावल प्रेरित का कहना ठीक है कि हमको बहुत क्लेश उठाकर ईश्वर के राज्य में प्रवेश करना है। हम अनुभव करते हैं कि हमारे प्रभु का कहना सच है कि चेला अपने गुरु से बड़ा नहीं है। प्रभु को संसार ने सताया और क्रूश पर चढ़ाया तो प्रभुकी कलीशा क्यों सोच सकती है कि खृस्तान लोग बिना क्लेश से अपना काल बितावेंगे? पर सताहट और क्लेश के समयों में इस बात को भी हमों ने अनुभव किया जिसको प्रभुने कहा—"मैं तुम्हें शाँति दिये जाता हूं, अपनी शाँति तुम्हें देता हूं"। मरते हुए के ऐसे होके हम जीवते यीशु खृष्ट की महिमा देख सकें। ईश्वर का बचन जीवता बचन है। हमों में से बहुतेरे ठीक ऐसी दशा में थे जिसमें इब्राहीम था जब उसको अपने पिता का घर छोड़ देना पड़ा, और जिसमें यूसफ था जो निर्दोष होके जेल खाने में डाला गया। नबियों और प्रेरितों का दुःख हमारा दुःख भी हो गया और उनके समान हम संसार की बैरता में ईश्वर का प्रेम अनुभव कर सके। इन बीते १० बर्षों में हमों ने दानिएल नबी के दर्शन के उस मूर्त्ति का अर्थ बूझा जिसका सिर सोने का, छाती और बाँह रुपे का, पेट और कमर पीतल का, पैर लोहे का और पाँव लोहे और मिट्टी का था अर्थात वह यह सरकार है जो अपने को सर्व्वशक्तिमान समझके ईश्वर का जगह लेता है। हम लोगों ने जान लिया कि वह आग का भट्ठा क्या है, और उस स्वर्ग दूत का अर्थ भी जानते हैं जिसने आग को बुझाया। हम लोग सिंह के मांदे को भी जानते हैं। हमों ने यह भी अनुभव किया कि ईश्वर का दूत सिंह का मुंह बन्द कर सकता है। सताहट के समय में ईश्वर ने अपने बचन से हम लोगों को सिखाया कि कलीशा और सरकार का सम्बन्ध कैसा होना चाहिये और कैसा नहीं होना चाहिये। पाखण्डी लोगों से जो ईश्वर का बचन बिगाड़ने चाहते थे लड़ते हुए और उस सरकार के बिरुद्ध लड़ते हुए जो मनुष्यों के बिवेक को मारती थी स्वीकार करने हारी लूथेरान कलीशा ने १९३४ ईश्वी की महासभा में ६ सूत्रों को ग्रहण किया जो हम लोगों के लिये जब हम को कुशिक्षा और कुसरकार के बिरुद्ध लड़ना पड़ा तब पदद्‌र्शक थे। इन सूत्रों को हम इस अभिप्राय से नीचे लिखते हैं जिस्ते आप लोग भी उनको सोचें और अपनी बैठकियों में उनके बिषय बातचित करें।

सूत्र १. प्रभु कहता है "मार्ग और सचाई और जीवन मैं हूँ बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंचता है" योहन १४:६। "मैं तुम से सच सच कहता हूँ कि जो द्वार से भेड़शाला में नहीं जाता पर और किसी ओर से चढ़ जाता है वह चोर और डाकू है" योहन १०:१। "द्वार मैं हूँ, यदि कोई मेरे

द्वारा भीतर जाय तो उद्धार पायेगा" योहन १० : ६। यीशु खृष्ट जैसे पवित्र शास्त्र उसके बिषय शाची देती हैं आपही ईश्वर का बचन है जिसको सुनना, बिश्वास करना और मानना दरकार है। हम उस कुशिक्षा को त्याग देते हैं कि उस बचन के सिवाय ईश्वर का और प्रकाशन हो सकता है।

सूत्र २. "यीशु खृष्ट हमारे लिये ज्ञान और धर्म्म और पवित्रता और छुटकारा हुआ है" १ कोरिन्थ १:३०। जैसे यीशु खृष्ट ईश्वरीय अधोकार से हमारे पापों को क्षमा करता हैं, वैसैही यीशु खृष्ट हमारा सारा जीवन दाबी करता है, खृष्ट हमों को संसार के बन्धन से छुड़ाकर अपनी सेवकाई के लिये बुलाता है। हम यह कुशिक्षा त्याग देते हैं कि हमारे जीवन के कई बातों में खृष्ट नहीं पर दूसरे स्वामियों का अधिकार है।

सूत्र ३. "प्रेम में सत्य से चलते हुए सब बातों में उसमें जो सिर है अर्थात मसीह में बढ़ते जावें" इफिसी ४:१५। खृस्तानी कलीशा बिश्वासियों का संगठन है वे आपस में भाई है। यीशु खृष्ट बचन और सक्रामेन्ट में पवित्रात्मा के द्वारा से इस कलीशा में जीता और राज्य करता है। कलीशा यह शाची देता है कि वह खृष्ट के निज का है। खृष्ट की शाँति और अगुवाई से वह उसकी बाट जोहता है। हम उन की कुशिक्षा त्याग देते हैं जो सिखाते हैं कि कलीशा- अपनी शिक्षा को बर्त्तमान सरकार की दशा और लोगों की राय और उद्देश्यों के अनुसार अदल बदल करे।

सूत्र ४. "तुम जानते हो कि अन्य जातियों के हाकिम उन पर प्रभुता करते हैं और जो बड़े हैं वे उनपर अधिकार जताते हैं पर तुम में से ऐसा न होगा पर जो कोई तुममें बड़ा होना चाहे वह तुम्हारा सेवक बने" मत्ती २०:२५+२६। जो कलीशा में अधिकारी लोग हैं वे प्रभुता न रखें परन्तु सभों के सेवक बनें। हम उस कुशिक्षा को त्याग देते हैं। कि कलीशा उस सेवकाई के न्यारे किसी और को ग्रहण कर सकती है।

सूत्र ५. "परमेश्वर से डरो राजा का आदर करो" १ पितर २:१७। धर्म्म पुस्तक हमों को सिखाता है कि इस पापमय दुनियाँ में सरकार शासन करे जिस्तें न्याय और शान्ति की रक्षा होवे। ईश्वर को धन्यबाद देते हुए कलीशा सरकार को अंगीकार करती है। हम उस कुशिक्षा को त्याग देते हैं कि सरकार कलीशा को भी चला सकती है। यह शिक्षा भी त्याग देते हैं कि कलीशा सरकार की एक संस्था हो।

सूत्र ६. "देखो मैं जगत के अन्त तक सब दिन तुम्हारे साथ हूँ" मत्ती २८ : २०। "परमेश्वर का बचन कैद नहीं" २ तिमोथी २ : ६। कलीशा का कर्त्तब्य है कि खृष्ट की शांति बचन और सक्रामेन्ट से सभों को ईश्वर की दया का सुसमाचार सुनावे। हम इस कुशिक्षा को त्याग देते हैं कि कलीशा को जातीय और राजनैतिक उद्देश्यों का प्रचार करना (प्रोपागन्डा) चाहिये।

हम जर्मन लोगों के लिये आज कल पश्चत्ताप का समय है। हम खृस्तान लोग हमारे जात के इस बड़े दोष को अपने ऊपर लेते हैं कि लड़ाई के द्वारा जर्म्मन लोगों ने समस्त संसार के लोगों को बहुत दुःख दिया। ईश्वर के दण्ड को भी हम सह लेते हैं जिसने हमारी जात को जो अपने को ऊंचा करने का यत्न कियो नीचे से नीचा किया। पर यह भी हम जानते हैं कि ईश्वर पश्चत्तापी लोगों को फिर ग्रहण करता है जब वे अपने मुंह प्रभु यीशु खृष्ट पर फेरते हैं जिसने ईश्वर का मेम्ना होके जगत का पाप अपने ऊपर उठा लिया। ईश्वर पापों को क्षमा करता है और नया जीवन भी देता है। जैसे प्रभुने पतरस का पाप क्षमा किया और उस को फिरके अपनी सेवकाई में लगाया

वैसे ही ईश्वर हम से भी कहता है कि मेरे भेड़ों की चरवाही करो। हम निश्चय जानते हैं कि ईश्वर हम लोगों को यह कह के फिर बुलाता है कि जाओ और सब देशों के लोगों को सुसमाचार सुनाओ। और हमारी आशा है कि प्रभु हिन्दुस्तान में हमारे लिये द्वार खोलेगा जिस्ते हम उसी देश में दया का सुसमाचार फिर प्रचार करें जिस पर गोस्सनर के समय से लेके एक सौ बर्ष से अधिक हमारा प्रेम बना हुआ है। वह प्रेम इस प्रकार का है जो टलता नहीं। हम लोगों ने बड़े आनन्द से सुना कि जून से लेके डाईरेक्टर जे. स्तोश फिर आप लोगों के बीच में रहते हैं। ईश्वर उनको बहुत ज्ञान और अधिकार भी देवे कि आप लोगों के लिये ठिक से सेवकाई करें। हम लोगों को माल्म है कि पुराना एग्रीमेन्ट जो क्यूराटोरियम और गास्सनर कलीशा के बीच में था वह तमादी हो गया। अभी नया रास्ता खोजना होगा जिसको ईश्वर अपनी कृपा से ठीक समय में दिखावे। हम जर्म्मनी के उन मण्डलियों के नाम से जिन्हों ने १०० बर्ष लों आप लोगों के लिये प्रार्थना किया और लड़ाई के दिनों में भी आप लोगों को बड़े प्रेम से स्मरण किया कह सकते हैं कि उनका प्रेम भविष्य में भी आप लोगो के लिये बना रहेगा। हमारी आशा है कि आप लोग भी यह चाहते हैं कि हमारा वह सम्बन्ध जो बीते सौ बर्ष लों रहा आगे भी बना रहे।

डाईरेक्टर स्तोश ने हमारे पास लिखा कि लौट के गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान कलीशा को सोचनीय दशा में पाया ऐसा कि कलीशा दो भाग होने पर थी, धर्म्म के बातों के कारण नहीं परन्तु लौकिक बातों के कारण। यह भी हम लोगों ने बड़े आनन्द से और ईश्वर को धन्यवाद देते हुए सुना कि आप लोगों ने फिरके मेल मिलाप का रास्ता पकड़ा है। हमारा प्रभु जिसकी अन्तिम प्रार्थना थी कि उसके सब लोग एक होवें, हमारी कलीशा की एकता चाहता है। कभी हमारी कलीशा में फूटफाट न होने पावे। आनेवाले महासभा के लिये हम ईश्वर की आशीष मांगते हैं और भ्रात्रीय प्रेम से अपना यीशुसहाय भेजते हैं। हम इस प्रभु पर अपनी आशा रखते हैं जिसने कहा है कि देखो मैं सब कुछ नया करता करता हूं।

प्रभु के प्रेम में,
आप लोगों के बिश्वस्त,

KURATORIUM
der
Gosnerschen Missionsgesellschaft.

Direktor Dr. Moeller, Vorsitzender,
Graf Baudissin,
Verlagsbuchhandler Beenken,
Pastor Bethge,
Oberkonsistorialrat Propst Dr. Bohm,
Generalsuperintendent Diestel,
Konsistorialrat Drescher,
Landessuperintendent Elster,
Konsistorialrat Foertsch,
Dr. Frischmuller,
Pfarrec Gerhard,
Professor Dr. Hammelsbeck,
Pfarrer Lic. Holsten,
Pastor Linnemann,
Missionsdirektor Lokies.
Pfarrer Muller,
Pfarrer Prehn,
Pfarrer Dr. von Rabenau,
Oberpfarrer Richter—Reichhelm,
Pastor Symanowski.

INDIAN POSTS & TELEGRAPHS DEPT.

RECEIPT FOR INLAND TELEGRAM

Class	Amount Rs. A.	No.	Date (or date-stamp.)

Office of Origin

TELEPHONE TRUNKS

Modern business demands modern methods. Increase your business by using the Telephone Trunks to talk business across hundreds of miles.

You can get the best value out of Telephone Trunks by booking the Particular Person Call, that is, to the person whom you want to speak to. It costs 25 per cent. extra if the party is obtained, otherwise you only pay 25 per cent. of the ordinary charge.

Class	Rs. A. Amount.	No.	Date.

Office of Origin

Code——— Service instruction———

INDIAN POSTS & TELEGRAPHS DEPARTMENT **A 1**

Inland Telegram

	H. M.	Words.
Sent at		
To		Charge. Rs. A.
By		

Space for Postage Stamps

(Space for additional postage stamps on reverse.)

(If National Cash Register Machine in use, the booking clerk should sign here.)

(Nothing is to be written by the Sender above this line).

If this telegram is to be classed EXPRESS, write the Class here.		If this telegram is on State business, the word STATE should be written in this space.	

When a reply is to be prepaid, write the words "Reply Paid" and the amount in the space below.

TO { Name / Address / Telegraph Office

FROM {

NOT TO BE TELEGRAPHED. { *Signature and Address of Sender* ————

Should any reference become necessary the production of this receipt will enable the telegram to be traced by the office of origin within seven days of the date of its despatch—thereafter. *Complaints* respecting this telegram and applications for *Refund* involving complaints against the Service should be made to the Postmaster-General of the Circle concerned, within two months. Applications for refund *which do not involve complaints against the Service* should be made to the Officer-in-charge, Tel. Check Office, Calcutta.

ADDITIONAL SPACE FOR STAMPS.

The *ACCURACY* of telegrams is not guaranteed; the Sender and Receiver must accept *ALL RISKS* arising from non-delivery, errors or delays. *Complaints* respecting *Inland* telegrams should be addressed to the Postmaster-General of the Circle concerned. Claims for *Refund* involving complaints against the Service should also be addressed accordingly. Claims for refund respecting telegrams *which do not involve complaints against the Service* should be addressed to the Officer-in-charge, *Telegraph Check Office, Calcutta.* Claims for refund or complaints respecting telegrams should be made within two months from the date of the telegram. The receipt granted for the telegram should be enclosed with the reference. In addresses consisting of a name prefixed to a Registered or Abbreviated address, or when a telegram is addressed to one person at the house of another whose name is also given, the words "Care of" or the symbol "C/o" should be inserted after the name of the Addressee. There is always risk of a telegram not being delivered if a full and definite address is not given, in the first instance.

Lal Chand & Sons, Printers, Calcutta—

Ruling Chief B ~~Deogarh~~ Bamra

B Deogarh

Referen Letter — (A) — . . . . . . be pleased to fix date interview —

~~G. Rau~~

Ce ~~Hon~~ Hon. Secty . . .

RANCHI MANDLI PANCH.
(G.E.L. CHURCH).

Karyyakarini Committee.
P: M.Prehn,Sabhapati.
B: Amritlal Tirkey,Secretary
B: Mahendra Khess, Khajanchi.
B: Jaymsih Ekka
B: Naeman Toppo
Cand.Johan Toppo,Kirani

Number .

Srhi
The Secretary,
G.E.L.Church Council,
Ranchi.

Ranchi Mandli Panch ka Office,
Ta: 12-6-28.

Shri

Mahashay,

Ranchi Mandali ke liye naye Kabaristan ki bat Ranchi Mandli ki or se Church Council men dii gayi hai. Ranchi Mandali Panch arji karti hai ki kripa kar Church Council is ke bare jaldi bandobast kare, kyonki Kabaristan men ab jagah nahin rah gaya hai

Ap ka
Sd/- A.L.Tirkey.
Secretary.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

NO. 1569/42/F-39.

G.E.L.Church Compound,
Ranchi,(Bihar) India.
Dated, the 7th July 1942.

To

The Administrative Commandant,
Ranchi.

Sir,

With reference to your letter No. 2114/8/Q dated July 6,1942, I have the honour to submit herewith a copy of the letter of the Engineer, Ranchi Municipality No. 2/247B of 29, dated 1-10-1929 to the then President Rev.J.Topno for the G.E.L.Church,Ranchi informing the Church Council that the Chairman, Ranchi Municipality sanctioned the extension of the graveyard. The implication of the sanction is that the graveyard now extends as far to the South as the present wall stands, and as far to the north as Gungutoly lane, leaving out 50 feet clear space including the breadth of the road where the compound of the living quarters begin. There is no particular limit to the East where there are no compounds of living quarters.

As to the consecretion, it is just a religious service and generally no record is kept of such service.

The fencing wall could be built only on the South owing to lack of funds. The old walls on the North and East stand in a dilapitated condition for they are to be demolished as soon as funds will be available for the construction of the new walls to be built according to the sanction of the Municipality.

The latest Municipal Survey took place before this sanction of the Municipality and so the Survey Map does not show the extended grave yard.

I have etc.
Sd/- Th.Surin.
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Memo No. 1337/42/F-39.

From

Th.Surin Esqr.,B.A.,B.L.,
Hony: Secretary,
G.E.L.Church in Chotanagpur & Assam,
Ranchi.

To

The Chaplain General,
Ranchi.
C/O The Rt.Rev.the Bishop
of Chotanagpur.

Dated Ranchi, the 18th June, 1942.

Sir,

I have the honour to state that a portion,measuring 180 ft. by 180 ft. out of the recent Municipal Survey Plot No. 953 has been requisitioned under requisition order dated the 7th June, 1942, by the Deputy Commissioner, Ranchi, and the requisition order reached the Church Council office on the 8th June, 1942 when I and the President of the G.E.L.Church,Ranchi, were both out for Hazaribagh.

1. In the said requisition order it is not specifically mentioned for what purpose the land is requisitioned for the military.

2. The said plot No. 953, including the area under requisition has been sanctioned on 2-10-1929 by the Ranchi Municipality to be used for the graveyard of the G.E.L.Church at Ranchi, and it is also consecrated and set apart for that purpose by the Church.

3. It is understood now that the requisition referred to above is for the purpose of burial ground for the military and hence it must be permanent.

4. The Lutheran Church is the largest Protestant Church of the Province of Bihar having a baptised membership of 150000 xxx loyal Christians, besides a large number of Catechumens and it extends over five provinces viz. Bihar, Orissa, Bengal, Assam and Central Provinces and over the Political States within these Provinces and it is still expanding further.

Ranchi is the Head Quarters of this large Church with all the institutions of the Church and there is a local congregation of about 5000 baptised Lutheran Christians right at Ranchi itself and this number is increasing rapidly by birth and by migration into the town.

5. The Eastern portion of the Compound has been reserved for the Graveyard of this large and ever growing congregation. The whole Eastern portion will be indispensibly needed for this congregation.

6. It is most difficult for a Christian Church to find land at Ranchi and this large Church which is an autonomous Church will be placed in insurmountable difficulties when her graveyard has been requisitioned for the military.

7. It is very easy for the Government and the military to acquire land in any part of Ranchi, and there are plenty of large and vacant grounds at Ranchi.

8. It is further known that according to the law of the land the graveyards, burial or burning grounds are not to be acquired or requisitioned and our good British Government has always protected the rights of the people over these sacred grounds, and it is hoped that the same kindness will be extended to this Church without delay.

P. T. O.

9. The G.E.L.Church has gladly given over by requisitioning almost the whole of her compound and numerous buildings at Ranchi for the use of the military for the successful prosecution of the war and for the defence of India at this difficult time.

Under the circumstances it is most respectfully but most earnestly prayed that the requisition order referred to above be kindly recinded and any possible proposal of further requisition be kindly stopped and for this act of kindness the whole Lutheran Church be ever remain grateful to you.

I have etc.

Sd/- Th.Surin.
Hony.Secretary,
G.E.L.Church in Chotanagpur &Assam.

Copy forwarded to :-

(1) The Rt.Rev.the Bishop of Chotanagpur.
(2) The Deputy Commissioner,Ranchi.
(3) J.W.Houlton Esqr., C.I.E.,I.C.S., Ranchi.
(4) The Administrative Commandant, Ranchi.
(5) R.E.Russel Esqr., C.I.E.,I.C.S.
The Hon'ble Advisor,
His Excellency the Governor of Bihar,
Ranchi.
(6) E.R.J.R.Cousins Esqr., C.I.E.,I.C.S.,
The Hon'ble Advisor,
His Exeellency the Governor of Bihar,
Ranchi.

Recvd
3-2-44

To The Secretary G.E.L Church,
Ranchi.
Dated the 28th Jan-1944.

महाशय,

मैं आप के छः सवालों का उत्तर सेन्सस जल्दी न होने के कारण देरी से भेज रहा हूं। कृपाया मुझे माफ करें। —

II रा सवाल — धर्म खोजकों की बपतिस्मा से — ६
III — — ख्रिस्तान बालकों की बपतिस्मा से — — — ३३
IV — दृढ़िकृत संख्या ———— — ५६२,
V — बपतिस्मा संख्या — — — — — ६६४
VI पुराने धर्म खोजक और नये धर्म खोजक — — १५

		रु० आ० पाई
I ला सवाल — —	चावल — — — —	६ - ८ - ०
	दाल ———	१ - १२ - ०
	लकड़ी — — — —	२ - ० - ०
	नामक ———	० - ३ - ०
	मसाला ———	० - ४ - ०
	चीनी चाय — —	१ - ८ - ०
	साबुन - तेल — —	० - ८ - ०
	वस्त्र — — —	१० - ० - ०
महवारी खर्च — — — — —	मोट —	२५ - ११ - ० पाई

आप का आज्ञाधीन सेवक

[signature]

Pastor G.E.L Church
Darigutu.

From
Barikisinga
23.12-43

To

the Hony. Secy.
G.E.L. Church
Ranchi

Ap ko Jishusahay.

Main ne ap ka Notice 19 Dec. ko paya
Us ke uttar men main likh bhejta hun

(1) Sadharan jiwan nirbah karne ko 1941
men mahwari Rs. 10/-
1942+1943 men " 20/- } mahwari pratijan
par ho sakta hai.

(2) - Dharm khojakon ke Baptisma se 17

(3) Christan balakon ke " " 178

(4) Kitna drishtikrit Sankhya hai 2604

(5) Kitna baptisma paye huwe 5188

(6) Dharm khojak kitne hain. 45

Kripaya maph karenge aur sudharenge,
kyonki upar likhit jababon men bahut
hi galtiyan hain.

age bhi
ap ka bishwast
C. C. Topno

23.12.43

Karimati
15-1-44

मान्यवर

सेक्रेटरी-जी. इ. एल.-चर्च-को-मेरा-

जीसुसहाय-।

मैं-१९४३-का-मर्दुमशुमारी-६ः सवालों-का-जवाब-भेज-देता-हूं-।
जोभी-गांगपुर-में-अकाल-बहुत-जोर-है-तोभी-धर्मखोजक-और-होते-जाते-हैं-जैसा-क्रिसमस-में-प्रभु-के-जन्म-पर्व-बाद-एक-नाई-का-घर-जवत-किया-गया-है-तोभी-मैं-~~वहां~~ जानकारी हमको-वहां-था-और-उस-रोज-१६-आनन्द-के-साथ-१७-प्राणी-धर्मखोजक-साथ-लिये-और-चार-घर-आशा-दिये-हैं-कि-हम-लोग-भी-जल्दी-जायेंगे-और-ख्रीस्तान-होंगे-अभी-क्रिसमस-में-४२-प्राणी-धर्मखोजक-में-१७-स्नान-पाये-इनको-छोड़-और-चार-घर-संसार-नाई-वाहन-आनेवाले-हैं-।
मर्दुमशुमारी-हिसाब-में-उन-भाई-बहिनों-की-संख्या-भी-शामिल-है-जो-१९४३-में-गांगपुर-से-बाहर-डर-से-निकल-गये-हैं-(कि-पकड़े-न-जावे-बोलके)

आपका-आज्ञाकारी

D. Aow.

Karimati Ilaka

No	Padri Pracharak ke nam Gotr	Jahan Kam karte ham	Prani	Cost of living each person per month 1941	1942	1943	Dharm Khojak baptisma paye	Christian Balak baptisma paye	Drishtikrit sankhya	Baptisma paye huon ki sankhya	Dharm Khojak abhi hain	
1	Rev. Daniel Horo	Karimati	6									
2.	Rev. Christohit Horo	[illegible]	4									
3	Pracharak D[illegible]masih Guria	Bir[illegible]	6									
4	" Jaemasih Bage	Jaliapos	5									
5	" Annus Aind	Dhangrinacha	8									
6	" Prabhusahay Lugun	Purnapani	7									
7.	" Prabhudan Bage	Kardega	6									
8.	" Samuel Kandulna	Karimati	6									
9	" Samuel Jojowar	Jolongbira	7	Rs 8/-/-	Rs 12/-/-	Rs 16/-/-	57	275	5050	10230	153	
10	" Anandmasih Jojowar	Lasse	4									
11	" Isakah Surin	Ranakala	6									
12	" Prabhujiwan Kerketa	Lorosera	3									
13	" Masihprakash Soy	Damdapara	5									
14	" Masihdas Topono	Dalki	8									
15	Candi. Itmon Guria	Orga-Minj	1									
16	Pracharak Luther Jojowar	Kalhajhar	10									
17	" Johan Bage	Dongapani	5									
18	" Jaemasih Lugun	Pharsa	5									
19	" Timotius Kandulna	Kadopani	4									
20	" Nuas Guria	Loarom	4									
21	" Manmasih Kandulna	Saruda	4									
22	" Johan Topono	Kulagoj	5									
23	" Johan Toppo	Gurgura	7									
24	" Junas Lugun	Kurlabera	4									
25	" Abraham Jojowar	Bunumda	6									
26	" Andrias Purti	Ambakona	12									
27	" Nuas Horo	Kurhnu	8									
28	" Junathan Kandulna	Charlandu	4									
29	" Samuel Kandulna	Khalaughar	4									
30	" Masihdas Aind	Horla	8									
31	" Lucas Bhuinya	Omda	6									
32	" Nirmal Bage	Raekera	12									
33	" Timotius Guria	Chandsae	4									
34	" Masihprakash Lugun	Jorobani	4									
35	" Nistar Monkey	Runghi	3									
36	Pracharika " Fulmani Mauki	Karimati	1									

D. Horo.
15-1-44

Rev. A. Bara
G. E. L. CHURCH.

RANIKHATANGA.
P. O. Itki,
Dt. RANCHI.

19th January 1944.

To The Secretary G. E. L Church Chota nagpur.
Assam.

Mahashay,

ap ki Chitti No. 2880 - 2941/43/F 48.
Date 10th December 1943. ke anusar niche 6wan sawal ka uttar likh bhejta hun.

		Number.
II	1943 men Dharmkhojakon se Baptism hua.	1.
III	" " Christians Balakon ka. " "	64.
IV	" " dirhikrit Sankhya.	946.
V	" " Baptisma paye hue Christians	1709.
VI	" " Dharm Khojakon ki Sankhya.	1.

(1) Cost of living . . 1941 men prati jan par Rs. 3/.
" " 1942 " " " " Rs. 3/.
" " 1943 . . . . Rs. 7/.
in samay Rs. 7. se bhi adhik ho sakta hai.
kyon ki sab chejon ki dam beshi hai.

Ap ka bishwast

A. Bara Ranikhatanga
Parish

Kahupani

Dated 6-1-44

To

The Secretary G E L Church Ranchi

[illegible] G E L Church [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] Tirkey

Kinkel

18-12-43.

To,

the Secretary G.E.L. Church In Chotanagpur

Ranchi

Maha manyawar Mahashay Secretary sahab ko yishusahay.

~~[illegible]~~ likhta hun: ——

I Mahuari prati pracharak ke liye is ~~[illegible]~~ ke ~~[illegible]~~ samay sadharan jiwan nirbah karne ke liye Rs. 12/- kharach hoga. ~~[illegible]~~ kul jama 18 hain: padri ke liye ~~[illegible]~~ jaisa ek sadharan giwan nirbah karne ke liye Rs 15/- kharach hoga Mahuari:

II ~~[illegible]~~ 22 jan dharam khojakong ka baptisma hua hai.

III 165 - Christian balkong ka Baptisma hua hai

IV Grihikrit sankhya 1360 hain. In sal grishikrit san khya ghat gaya samjah ki bahut log idhar udhar chale gaye (war service)

P.T.O.

From Rev. S.M. Bage.
[illegible]
21-12-43

To

The Secretary [illegible]

[illegible] Council Ranchi.

महाशय ख्रीष्ट को [illegible] हाम,

Memo No. [illegible]-3[illegible] F-43 को

आपके [illegible]

[illegible]

1/ जनवरी से दिसम्बर १९४१. प्रतिजन पर ८) रु० महिना, घर में [illegible] जन हैं, [illegible]) रुपैया।

जनवरी से दिसम्बर १९४२, प्रतिजन पर १०) रु० महिना, घर में ४ जन हैं, जमा [illegible]०) रुपैया।

[illegible] १९४३ प्रतिजन पर १२) रु० महिना, घर में ४ जन हैं, जमा ५७६) रुपैया।

2/ धर्म खोजकों के बपतिस्मों से [illegible]) आने।

3/ ख्रीष्टान बालकों के बपतिस्मा से १९४३ में ७३)॥। पैसा

कलीसिया की जन संख्या में बढ़ती नहीं हुई है। केवल जन्म [illegible] और थोड़ा खोजकों के स्नान से।

4/ वृद्धि कुल संख्या- ५३६ है।

5/ कलीसिया में बपतिस्मा पाये हुओं की संख्या- ११५७ है।

6/ धर्म खोजक- १७ हैं।

आपका विश्वास्त,

सेवक,
S.M. Bage.

The Rev. M. Sanga

To The Secretary
G. E. L. Church.

Chakradharpur
4-1-43.

Manyawar Mahashay ko bahut yishusahay.

(1) Main mahwari pratijanpar ka kharch dikhata hun jis se muskil se hoti hai. Ham log bachon samet pariwar men 8 prani (athprani) hain.

	1941	1942	1943
M. Sanga	5-8-0	6-0-0	10-0-0
Mrs. M. Sanga	5-8-0	6-0-0	10-0-0
Asian	4-0-0	4-8-0	8-0-0
Nanjan	4-0-0	4-8-0	8-0-0
Mausidh.	4-0-0	4-8-0	8-0-0
Emlen	3-0-0	3-8-0	6-0-0
Prabhusahay	3-0-0	3-8-0	5-0-0
Saban	3-0-0	3-8-0	5-0-0
	Rs 32-0-0	36-0-0	60-0-0

(2) Dharmkhojak --- 5

(3) Balak baptisma — 31

(4) Drithikrit Sankhea - 511

(5) Christanon ki Sankhea - 1009

(6) Dharm khojakon ki Sankhea — 15

apki bishwast.
M. Sanga

To

The Hony. Secretary
G.E.L. Church, Ranchi.

महाशय,

आप की चिट्ठी १०दिसम्बर,१९४३ Memo No. 2880-2941/43/F-48. के आदेश अनुसार मैं उक्त सवालों का जवाब भेजता हूं।—

(I) Cost of living - महवारी प्रतिजन २२ रु. ८ आ॰ के हिसाब से जनवरी १९४१ से दिसम्बर १९४३ तक का साधारण खर्च ७२० रु. है।

(II) धर्मखोजकों के बपतिस्मा से २७ और
(III) खिरस्तान बालकों के बपतिस्मा से ९९ कलीशा की जनसंख्या (साल १९४३)में बढ़ती हुई है।

(IV) दृढ़िकृतों की संख्या ११४१ है।

(V) कलीशा मे बपतिस्मा पाये हुए खिरस्तानों की कुल संख्या २३४७ है।

(VI) धर्मखोजकों की संख्या ३० है।

Birkera,
23-12-43.

आप का विश्वास्त
सेवक
M. D. Lakra
G.E.L. Church -
Birkera

REV. M. HEMROM.

Recd.
1-2-44.

Raidang,
P.O. Moran, Sibsagar Dist.,
(Assam.)

24th January 1944.

To
Th. Surin, B.A., B.L.,
Secretary, G.E.L. Church Council,
R a n c h i.

Dear Sir,

With reference to your Meme No.2880-1941/43/F-28, I beg to state the following for your information.

(i) Cost of Living - The index as kept in the record for the cost of living based on Standard Scale is as fellows:-

1. 1. 1939	..	100%
31.12. 1939	..	128.50%
31- 12. 1940	..	146.20%
31. 12. 1941	..	170.00%
31. 12. 1942	..	254.63%
31. 12. 1943	..	552.66%

Please Note :- The above index is based in accordance with the standard scale for the standard family here in Assam.

(ii) Dharm Khejaken ke baptism	..	Nil	
(iii) Christian Balken ke baptism	.	28.	1/-
(iv) Drirhikrit sankhya	..	468	
(v) Baptisma payehuwe Xtian	..	1025	0/-
(vi) Dharm khejak	..	35	

With Christian greetings,

Yours sincerely,
M. Hemrom

From — G. E. L. Church
Rev. Hanukh Minj Tezpur, Assam
Chairman — Ghagra Shantipur parish 26-1-44
&
Secretary — Assam Chhoti Sabha.

To,
The Hon. Secretary,
G. E. L. Church Council, Ranchi.

Dear Sir, 24.2.44

Ap ke letter Memo No. 2880-2941 /43/F-48 jismen 6 sawal hain unka uttar niche diye jate hain.

(i) Cost of living for Church workers —

वर्तमान महंगी अवस्था के कारण प्रचारकों को Rs. 35/- से ऊपर और पादरी भाइयों को Rs. 75/- से ऊपर यदि दिया जा सकता हो अच्छी बात ही होती चाहे C.C. इस विषय में क्या चाहती है वह सही ही होगी।

(ii) Dharmkhojak Baptisma paye hue 1943 men — 35.

(iii) Christian balak jo 1943 men Baptism paye — 47.

P.T.O.

(iv) D[illegible] 1943 men — 727

(v) Baptism paye hue 1943 men — 1804

(vi) D[illegible] 1943 men — 100

Yours Sincerely

[illegible]

Rajabaka
2[illegible]/44

From
Re[illegible] Naraiya
Chairman Rajabaka parish.

To,
The Secretary,
G.E.L. Church Council, Ranchi.

Dear Sir,

[illegible] के Memo No. 2880—2941/40/F—48 jismen 6 सवाल हैं नीचे उनका उत्तर दिया जाता है —

1. [illegible] मोदि [illegible] नाई लोग [illegible] और पादरी भाई [illegible] Rs. 75/- [illegible] प्रति महिना पाते [illegible] नई [illegible] बाकी होगी [illegible] हैं जो [illegible] रही है [illegible] भी होगी।
2. [illegible] 1943 के [illegible] पतिरमा पाये — 40
3. [illegible] 1943 के [illegible] तिरमा मिला — 26
4. [illegible] 1943 के [illegible] — 621
5. [illegible] 1943 — 1109
6. [illegible] 1943 [illegible] — 40

Sd-/ Jothan [illegible]

Manyawa Secy C.C Ko
Yishusahay.

[illegible] Memo No. 2880-2941/43/F.48
Ko [illegible] daga G.E.L-church Ka Report
a[illegible] lekhij raha hun. Bhejne men
[illegible] deri huwi Kaun Ilaka Ke Rah Karam
[illegible] K Report lene men deri huwi Kripa
[illegible] maph Karenge

Apka Bishwast
Sewak
Rev. L. Laboa
Lohardaga
24.2.44

1	Rev L. Lakra	Pastor	10.	40/-	50/-	60/-
2.	Rev L. Kujur	"	10	30/-	40/-	50/-
3.	Cand. Mansidh Kindo	Candi.	2.	25/-	30/-	35/.
				95/-	120/-	145/-
	Chatti Parish					
4.	Gossner Minj	X	6.	20/-	25/-	30/-
5	Junas Toppo	L.P.	8.	8/-	15/-	20/-
6.	Masihprakas Beck	M.E.	10.	10/	20/	25/-
7	Barnabas Ekka	L.P.	10.	8/-	15/	20/-
8	Prabhusewak Toppo	M.E.	10.	10/-	20/-	25/-
9	Kiran Kujur	VI.U.P.	6.	9/-	15/-	20/.
10.	Jiwan Minj.	M.E.	6.	10/-	20/-	25/-
11	Amrit Tirky	U.P.	6.	8/-	15/-	20/-
12	Mansukh Minj	M.E.T.	6.	20/-	25/-	30/-
	Kuru Parish					
13	Barnabas Khakha	M.E.	10.	10/-	20/-	25/.
14	Malaki Ekka	M.E.	6.	10/-	20/-	25/.
15	Naiman Toppo	M.E.	8.	10/-	20/-	25/-
16	Immanuel Kujur	X.	10.	20/-	25/-	30/-
17	Cyril Toppo	L.P.	6.	8/-	15/-	20/.
18	Mikhael Toppo.	M.E.	6.	10/-	20/-	25/-
19	Sukhbilas Lakra	M.E.	6.	10/-	20/	25/.
20	Jyoti Tiga.	L.P.	10.	8/-	15/-	20/-
21.	Philip Tirky	L.P.	6	8/	15/-	20/.
	Lohardaga Parish.					
22	Juel Khakha	L.P.	6.	8/-	15/-	20/.
23	Christ Mangal Ekka	U.P.	10	8/-	15/-	20/-
24	Christoray Kindo	X	12.	20/-	25/-	30/.
25	Jasman Kujur	L.P.	6.	8/-	15/-	20/.
26	Theofil Kujur.	U.P.	10.	8/-	15/-	20/-
27	Bishwas Toppo	L.P.	10.	8/-	15/-	20/.
28	Prabhudas Kindo	L.P.	6.	8/-	15/-	20/.
29.	Christ Amrit Kindo	Metric	6.	20/-	25/-	30/-
				285/	480/	640/

Census Report of Lohardaga Ilaka in 1943.

धर्मखोजकों के बपतिस्मा से कितना	ख्रिस्तान बालकों के बपतिस्मा की बढ़ती. १९४३ में	दृढ़िकरण संख्या.	बपतिस्मा पाये हुए ख्रिस्तानों की संख्या.	धर्मखोजक कितने हैं.	
II	III	IV	V	VI	जमा.
१५,	१७८.	२६०३.	५६६३.	३४.	५७४२.
१५.	१७८.	२६०३.	५६६३	३४.	५७४२.

Rev. L. Lakra
Ilaka Chairman
Lohardaga.
24.2.44.

Jurdag 23.2.44.

Maha manyawar C. C. Secretary ke Grihasahay.

Ap ke Memo. No. 2880-2941/43/F-48. ka jabab diya jata hai:—

I Cost of living:— Is ka jabab dene ke liye Main ne bahut soch bichar kiya. Akhir ko Main ne yahi paya ki sare jagat ki desha sochniya hai is karan Main jabab nahin deta hun. Kewal yahi jatata hun ki ek Nātin jo kerib 12 baras ki hai Jurdag U. P. Class men parhti hai, uske sath tin (3) prani hain.

II	Dharm Khojak baptisma 1943 men	16	souls
III	Christan balak " "	33	"
IV	Dridhikrit sankhya "	880	"
V	Baptisma paye huwe "	1601	"
VI	Dharm Khojak - "	6	"

Ap ka bishwast,

L. Ekka. Pastor.

10

The Secretary Luth-Church Ranchi

Mahashay,

Apke sawal ka jabab likhne men deri hui hai so maph kijiye, Census ke karan deri hui hai.

Kinkel Ilaka ka hisab jis men 30 pracharak aur 2 padri hain.

1, प्रतिजन के लिये महवारी 2010 रु. खर्च हो सकता है।
2 धर्मखोजक से मराङ्गी भी बढ़ती केवल 6 जन का हुआ है।
3 बालक स्नान से 290 जन की बढ़ती है।
4 दृढ़ीकृत संख्या 4046 है उन मेंसे 22 देशान्तर हैं
5 बपतिस्मा पाये हुए लोगों की संख्या 8600 हैं।
6, (a) धर्मखोजक 10 हैं
(b) कोरवा धर्मखोजक 20 हैं ये सिखलाये गये हैं, इन का बपतिस्मा जल्द ही होने का है। आज कल चेचक बिमारी फैल गया है इस के कारण अभी तक बपतिस्मा का काम रुक गया है।

आजकल जुबिली चन्दा उठाना बहुत कठिन हो गया है सरकारी चन्दा का आजकल बहुत जुल्म है बहुत लोग चन्दा देने में असामर्थ हैं। मार्च के बाद उमेद करते हैं सो सकेगा।

ख्रीस्त में [illegible]
आप का आज्ञाकारी दास
Mage Jatatoli
17-2-44

To The Secretary,
Lutheran Church.

Mahasay,

Ap ke circular No. 2880-2941/43/F-48 of the 10th December, 1943. ke Sambandh men uttar.

(i) Cost of living (for church workers)

In dinon men pratiek jan ke liye, prati Mahina Sadharan jiwan (Bhat, Bhirle 2 Maus aur Dal) nirbah karne ke liye (Khana pina, Orhna pahirna aur Chah nasta, Shab milake Rs. 22/- Se upar kharch ho Sakti hai Kintu niche nahing.

1941-1942 March tak mahwary kharch. Rs 12/- Se upar tha, Kintu bartman men Rs. 10/- barh gai hai.

Hamare grihast bhai log ukrokt kaida hi Se thangar rakhte hain.

Main ap ka dhyan ko town life aur village life ki Or khinchna chahta chahta hun. Uprokt hisab village life ki hisab hai.

(ii) Dharm khojakon ke baptisma Se Kondra Ilaka ki Jan Sankhya nahing barh gai hai, Kintu

(iii) Baptisma ki Sankhya men Kondra Ilaka ki Jan-Sankhya barh gai hai. Arthat

1943 ~~~ 4610 -
1942. ~~~ 4392 = 218. Barh gai hai.

IV Civil Aur State donon milake 1943 Men Drirhikrit Sankhya 2180.

V Civil Aur State donon milake Baptisma Sankhya 4610.

VI Dharmkhojak 1943 men kewal 23. hain.

Kondra.
The 28th January, 44

Ap ka bishwast.
J. Akujir

Manyawar

Secretary Th. Swin Lutheran church.

Main ap ka bheja hua chitthi No 2880-2941/43/F-48. paya aur un sawalon ka jabab likh bhejta hun.

1 sawal ka jabab — sadharan jiwan nirbah karne ko mahwar prati jan ke liye R 12 kharch hoga.

2, " " — dharm khojak baptisma 6 prani

3, " " — christian balak baptisma 93 balakon ka hua.

4, " " — dirhikrit sankhya 1318 prani hai.

5. " " — dirhapan paye (1943 men) 45 jan

6, " " — Kalissa men baptisma paye hue 3126 prani.

7, " " — dharm khojak purane — .. 41 prani

8, " " Naye dharm khojak (1943) 11 prani.

age shubh

ap ka biswast

Johan Topno Runga

17 January 1944.

Mr. Th. Surin Esqr

Lutheran church

Secretary

Ranchi

B.N.R

REV. P. PURTI
G. E. L. CHURCH
TINSUKIA
ASSAM.

The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi,

Mahasay apke letter Memo No. 2880-2741/43/F-48, jismen 6 sawalen hain jabab niche diye jate hain.

(i) Cost of living for Church workers per head in a month (1943) Rs 55/- ek Pracharak ke liye.
(ii) Dharmkhojak jo baptisma huwe 1943, 30 Jan.
(iii) Christian balak — 101,
(iv) Drishtik — sankhya — 1245.
(v) Baptisma paye huwe Christianonki — 2937.
(vi) Dharmkhojakon ka kul sankhya — 133,

N.B. — 1941 ki se idhar mahangi hona suru hua, 1943 men bahut adhik mahangi hui hai jiske karan 1/ rupaya se ek jan ke liye khana chalana kisi tarah nahi ho sakta hai, Upar jo kharch dikhlaya gaya hai mamuli hai, keyon ki chizon ka dam asadharanta barh gai hain,

age subh.
ap ka biswasi
P. Purti
12.1.44.

D 12-1-44

Tr. Amus Purti
12-1-44

ગુજરાતી-ભાષાંતરો નહીં મળ્યાં ઉતારવાનાં

Recd
1-2-44

Forwarded to
Ranchi

[illegible] parish.

Rev. Paulus Purti

The Secretary
G.E.L. Church
Ranchi

Apke letter Memo No. 2880-2941/43/F-48,
jismen 6 sawalen hain jabab niche diye jate hain.

(I) Cost of living for church workers per head monthly Rs 55/-
5) चावल प्रतिदिन, ~~3 दाल~~ १) क: 3 दाल =) सब्ज़ी =) निमक, तेल, मसाला =) जमा रोज का १।।) ; चिनि 5 — हप्ता, दुध 5) १ हप्ता, १) मांस, मछली हप्ता २) एकजन के लिये हप्ता १३।।। के हिसाब से महीना का ५५) रू. होता है ।

(ii) Dharmkhojak 1943, Baptisma paye 30 Prani
(iii) Christian Kalal jo Baptisma huwe 1943, 101
(iv) Dirhikrit saukheya 1943, 1245,
(V) Baptisma paye huwe Christian saukheya 1943, 297,
(VI) Dharmkhojakon ka kul saukhya 1943. 133,

1941 hise upper Assam men mahangi hona shuru hua aur aj din bhayankar mahangi ho gai hai jiske karan karmchariyon ko jiwan nirbah karna walla kathin horaha hai, sabse adhik ham jo shahar men rahne wale hain;

Age subh
apka biswast

P. Purti.

Dy 12-1-44

Tr. Amus Purti
12-1-44.

ap to [illegible] ka Pay Rs 35/- Padse tha Rs 75/-
diye agee America Rs 100/- dena hai to [illegible]
Keya hoga. Etc.— Pintu

Churdag G.E.L
Church
D/ 8.2.44

To

The Secretary G.E.L Church
Ranchi.

Sir,

According to your Letter No 2880-2941/43/F-48. D/ 10th Dec 1943 I beg to submit the fawlling Report ——

1. Cost of living —— Perhead P.M.

(a)	Rice 22½ Seers @ 6 ch. per meal	Rs 20-10 11-4-0
(b)	[illegible] 3 [illegible] 12 ch. @ 1 ch. per meal	1-14-0
(c)	Tea	3-0-0
(d)	Mees[illegible]	4-0-0
(E)	Kerosin Oil	1-8-0
(f)	Fuel	2-0-0
(g)	Spices	0-8-0
(h)	Meat	1-0-0
(i)	Vegitabels	3-0-0
		Rs 28-2-0

2. Dharam Kajkom ke Baptisma —— 4
3. Christan Balkan ke " 1943 me. — 68.
4. Distekrit Sankhaya — 1023.
5. Baptisma Sankhaya — 1908
6. Dharam Kotjak — 17
7.

I have the honour to be,
Sir,

Your most obedient
Servant,

H. S. Toy
Pastor incharge Churdag 8-2-44

To,

The Secretary,
G. E. L. Church,
Ranchi.

Dear Sir,

I have the honour to state that I was unable to send the form which you wanted to get for very soon.

The answer of the questions:–

I. The condition of 1942 Nov. – 1943 Dec. We are 5 in family. We past [illegible] life with difficulty.
When I was paid Rs 15/- then there was expend Rs 25/- more per month.
But when I was paid Rs 30/- then there was expend Rs 10/- ~~only~~ more per month.
Therefore the expenditure was within Rs 35/- to Rs 40/- per month.
Therefore I demand Rs 15/- more per month. It will do in my necessity.

II. Dharam Khojan – 2. (1943) – 35. (1942).
III. Balak Snan – 245. (1943) – 308. (1942).
IV. Drishtapan – 156. (1943).
Drishti Kril – 3355. (1943).
V. Baptisma – 6551. (~~1943~~)
VI. Dharam Khojan – 2. (1943).

Dated
The 24th Jan. 1944.

Yours sincerely,
Rev. C. R. Topno.
Lombar.